चतुर्थ माला, खंड 24, अंक 1 सोमवार, 17 फरवरी, 1969/28 माघ, 1890 (शक)
Fourth Series, Vol. XXIV, No. 1 Monday, February 17, 1969/Magha 28, 1890 (Saka)

लोक-सभा वाद-विवाद
का
संक्षिप्त अनूदित संस्करण

SUMMARISED TRANSLATED VERSION

OF

4th

LOK SABHA DEBATES

[सातवां सत्र
Seventh Session]

Preservation Unit
Fumigated On
Parliament Library

[खंड 24 में अंक 1 से 10 तक हैं
Vol. XXIV contains Nos. 1 to 10]

लोक-सभा सचिवालय
नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
NEW DELHI

मूल्य : एक रुपया

Price : One Rupee

[यह लोक सभा वाद-विवाद का संक्षिप्त अनूदित संस्करण है और इसमें अंग्रेजी/हिन्दी में दिये गये भाषणों आदि का हिन्दी/अंग्रेजी में अनुवाद है ।

This is translated version in a summary form of Lok Sabha Debates and contains Hindi/English translation of speeches etc. in English/Hindi.]

अंक 1, सोमवार, 17 फरवरी, 1969/28 माघ, 1890 (शक)

No. 1, Monday, February 17, 1969/Magha 28, 1890 (Saka)

विषय	Subject	पृष्ठ/Pages
सदस्यों की वर्णक्रमानुसार सूची	Alphabetical List of Members ..	i—viii
लोक-सभा के पदाधिकारी	Officers of Lok Sabha ..	ix
भारत सरकार—मंत्री, राज्यमंत्री आदि	Government of India—Minister, Ministers of State, etc. ..	x—xi
सदस्यों द्वारा शपथ ग्रहण	Members Sworn ..	1
राष्ट्रपति का अभिभाषण—सभा-पटल पर रखा गया	President's Address—Laid on the Table ..	1
विदेश विवाह विधेयक—	Foreign Marriage Bill—	
(1) संयुक्त समिति का प्रतिवेदन	(i) Report of Joint Committee ..	1
(2) संयुक्त समिति के समक्ष साक्ष्य	(ii) Evidence before Joint Committee	1
संविधान (22वां संशोधन) विधेयक—	Constitution (Twenty-second Amendment) Bill—	
संयुक्त समिति के प्रतिवेदन को पेश करने के लिये समय का बढ़ाया जाना	Extension of time for presentation of Report of Joint Committee	2
पंजाब में राष्ट्रपति की उद्घोषणा का प्रतिसंहृत किया जाना	Revocation of Proclamation in relation to Punjab ..	2
निधन सम्बन्धी उल्लेख	Obituary References ..	2
(श्री सी० एन० अन्नादुरै, श्री एस० रामास्वामी नायडू और श्री माणिक्य लाल वर्मा)	(Shri C. N. Annadurai, Shri S. Ramaswamy Naidu and Shri Manikya Lal Verma) ..	2—11
अध्यक्ष महोदय	Mr. Speaker ..	2—3
श्रीमती इन्दिरा गांधी	Shrimati Indira Gandhi ..	3—4
श्री रंगा	Shri Ranga ..	4

विषय	Subject		पृष्ठ/Pages
श्री अटल बिहारी वाजपेयी	Shri Atal Bihari Vajpayee	..	4—5
श्री ही० ना० मुकर्जी	Shri H. N. Mukerjee	..	5—6
श्री एस० एम० जोशी	Shri S. M. Joshi	..	6
श्री पी० राम मूर्ति	Shri P. Ramamurti	..	6—7
श्री सुरेन्द्रनाथ द्विवेदी	Shri Surendranath Dwivedy	..	7—8
श्री फ्रैन्क एन्थनी	Shri Frank Anthony	..	8
श्री प्रकाशवीर शास्त्री	Shri Prakash Vir Shastri	..	8—9
श्री तेन्नेटि विश्वनाथम	Shri Tenneti Viswanatham	..	9—10
श्री मुहम्मद इस्माइल	Shri M. Mohammad Ismail	..	10
श्री अंबाजागन	Shri Anbazhagan	..	10—11

अ

अंकिनीडु, श्री (गुडिवाडा)
अंजनप्पा, श्री (नेल्लोर)
अंबाजागन, श्री (तिरूचेंगोड)
अंबुचेजियान, श्री (डिंडीगुल)
अगडी, श्री स० अ० (कोप्पल)
अचल सिंह, श्री (आगरा)
अदिचन, श्री (अड्डूर)
अनिरुद्धन, श्री क० (चिरयिन्कील)
अब्राहम, श्री के० एम० (कोट्टयम)
अमरसे, श्री म० (बनस्कंठा)
अमात, श्री दे० (सुन्दरगढ़)
अमीन, श्री रा० की० (ढंढुका)
अमीन, श्री रामचन्द्र ज० (मेहसाना)
अयरवाल, श्री राम सिंह (सागर)
अरुमुगम, श्री (टेंकासी)
अवधेश चन्द्र सिंह, श्री (फर्रुखाबाद)
असगर हुसैन, श्री (अकोला)
अहमद, डा० इ० (गिरिडीह)
अहमद, श्री ज० (धुबरी)
अहमद, श्री फखरुद्दीन अली (बारपेटा)
अहिरवार, श्री नाथू राम (टीकमगढ़)

आ

आगा, श्री अहमद (बारामूला)
आजाद, श्री भागवत झा (भागलपुर)
आत्म दास श्री (मुरैना)

इ

इकबाल सिंह, श्री (फाजिलका)

उ

उइके, श्री (मंडला)
उमानाथ, श्री (पुद्दूकोटै)
उरांव, श्री कार्तिक (लोहारदगा)
उलाका, श्री राम चन्द्र (कोरापुट)

ए

एन्थनी, श्री फ्रैंक (नामनिर्देशित-आंग्ल-भारतीय)
एरिंग, श्री डा० (उत्तर पूर्व सीमान्त क्षेत्र)
एस्थोस, श्री (मुवत्तुपुजा)

ओ

ओंकार सिंह, श्री (बदायूं)
ओबराय, श्री एम० एस० (हजारीबाग)

क

कछवाय, श्री हुकम चन्द (उज्जन)
कटकी, श्री लीलाधर (नवगांव)
कथम, श्री बी० ना० (जलपाईगुड़ी)
कन्डप्पन, श्री (मैटूर)
कपूर, श्री लखन लाल (किशनगंज)
कबिर, श्री हुमायून् (बसिरहाट)
कमलनाथन् श्री (कृष्णगिरि)
कमला कुमारी, कुमारी (पालामऊ)
कर्ण सिंह, डा० (ऊधमपुर)
कर्णी सिंह, डा० (बीकानेर)
कलिता, श्री धीरेश्वर (गोहाटी)
कस्तुरे, श्री अ० श्री० (खामगांव)
कांबले, श्री (लातूर)
कामराज, श्री के० (नगरकोइल)
कामेश्वर सिंह, श्री (खगरिया)
कावड़े, श्री भा० रा० (नासिक)
काहानडोल, श्री ज० मं० (मालेगांव)
किकर सिंह, श्री (भटिंडा)
किन्दर लाल, श्री (हरदोई)

किरुतिनन, श्री (शिवगंज)
किस्कु, श्री अ० कु० (झाड़ग्राम)
कुंटे, श्री दत्तात्रेय (कोलाबा)
कुचेलर, श्री (वैल्लोर)
कुन्दू, श्री स० (बालासौर)
कुरील, श्री बै० ना० (रामसनेहीघाट)
कुरेशी, श्री शफी (अनन्तनाग)
कुशवाह, श्री यशवन्त सिंह (भिंड)
कुशोक बाकुला, श्री (लद्दाख)
कृपालानी, श्री जी० भा० (गुना)
कृपालानी, श्रीमती सुचेता (गोंडा)
कृष्ण, श्री मं० रं० (पेद्दपल्लि)
कृष्ण, श्री एस० एम० (मंडया)
कृष्णन्, श्री (कोलार)
कृष्णप्पा, श्री (हस्कोटे)
कृष्णमूर्ति, श्री (कडलूर)
केदरिया, श्री छ० म० (मांडवी)
केसरी, श्री सीताराम (कटिहार)
कोठारी, श्री स्वतन्त्र सिंह (मंदसौर)
कौशिक, श्री कृ० मा० (चांदा)

ख

खन्ना श्री प्रे० कि० (शाहजहांपुर)
खां, श्री अजमल (पेरियाकुलम)
खां, श्री गयूर अली (कैराना)
खां, श्री जुल्फिकार अली (रामपुर)
खां, श्री मु० अ० (कासगंज)
खां, श्री लताफत अली (मुजफ्फरनगर)
खाडिलकर, श्री (खेड़)

ग

गंगादेवी, श्रीमती (मोहनलालगंज)
गजराज सिंह, राव (महेन्द्रगढ़)
गणपत सहाय, श्री (सुल्तानपुर)
गणेश, श्री (अंडमान तथा नीकोबार द्वीपसमूह)
गांधी, श्रीमती इन्दिरा (रायबरेली)
गायत्री देवी, श्रीमती (जयपुर)
गिरिजा कुमारी, श्रीमती (शहडोल)
गिरिराज शरण सिंह, श्री (मथुरा)
गुडाडिन्नी, श्री ब० क० (बीजापुर)
गुप्त, श्री इन्द्रजीत (अलीपुर)
गुप्त, श्री कंवरलाल (दिल्ली सदर)
गुप्त, श्री राम कृष्ण (हिसार)
गुप्ता, श्री लाखन लाल (रायपुर)
गुह, श्री समर (कन्टाई)
गेविट, श्री तुकाराम (नानदरबार)
गोपालन, श्री अ० कु० (कासरगोड)
गोपालन, श्री प० (तेल्लिचेरी)
गोपालन, श्रीमती सुशीला (अम्बलपुजा)
गोयल, श्री श्रीचन्द (चंडीगढ़)
गोविन्ददास, डा० (जबलपुर)
गोंडर, श्री मुत्तु (त्रिपत्तूर)
गौड, श्री गाडिलिंगन (कुरनूल)
गौडर, श्री नंजा (नीलगिरि)
गौडा, श्री हुच्चे (चिकमगलूर)
गौतम, श्री चि० (बालाघाट)

घ

घोष, श्री गणेष (कलकत्ता-दक्षिण)
घोष, श्री परिमल (घाटल)
घोष, श्री प्र० कु० (रांची)
घोष, श्री विमल कान्ति (सेरामपुर)

च

चक्रपाणि, श्री (पोन्नाणि)
चटर्जी, श्री कृष्ण कुमार (हावड़ा)
चटर्जी, श्री नि० चं० (बर्दवान)
चतुर्वेदी, श्री रो० ला० (एटा)
चन्दा, श्री अनिल कु० (भोलपुर)
चन्दा, श्रीमती ज्योत्सना (कचार)
चन्द्रशेखर सिंह, श्री (जहांनाबाद)
चन्द्रिका प्रसाद, श्री (बलिया)
चह्वाण, श्री दा० रा० (कराड़)
चह्वाण, श्री यशवन्तराव बलवन्तराव (सतारा)
चित्ती बाबू, श्री (चिंगलपट)
चौधरी, श्री जे० के० (त्रिपुरा-पश्चिम)

चौधरी, श्री त्रिदिब कुमार (बरहामपुर)
चौधरी, श्री नीतिराज सिंह (होशंगाबाद)
चौधरी, श्री बाल्मीकि (हाजीपुर)
चौहान, श्री भारत सिंह (धार)

छ

छत्रपति, श्रीमती विजयमाला (हथकनंगले)

ज

जगजीवन राम, श्री (सासाराम)
जमीर, श्री स० चु० (नागालैंड)
जगैया, श्री को० (ओंगोल)
जनार्दनन, श्री (त्रिचूर)
जमुना लाल, श्री (टोंक)
जय सिंह, श्री (होशियारपुर)
जयपाल सिंह, श्री (खुन्टी)
जाधव, श्री तुलसीदास (बारामती)
जाधव, श्री वें० नं० (जालना)
जेना, श्री (भद्रक)
जेवियर, श्री (तिरुनेलवेल्लि)
जोशी, श्री एस० एम० (पूना)
जोशी, श्री जगन्नाथराव (भोपाल)

झ

झा, श्री भोगेन्द्र (जयनगर)
झा, श्री शिव चन्द्र (मधुबनी)
झारखण्डे राय, श्री (धोसी)

ठ

ठाकुर, श्री गुणानन्द (सहरसा)
ठाकुर, श्री प्र० रं० (नवद्वीप)

ड

डांगे, श्री श्री० अ० (बम्बई मध्य-दक्षिण)

ढ

ढिल्लो, श्री गुरदयाल सिंह (तरनतारन)

त

तापड़िया, श्री सु० कु० (पाली)
तामस्कर, श्री (दुर्ग)
तारोडकर, श्री वें० बा० (नांदेड)
तिवारी, श्री कमल नाथ (बेतिया)
तिवारी, श्री द्वा० ना० (गोपालगंज)
तुला राम, श्री (घाटमपुर)
त्यागी, श्री ओम् प्रकाश (मुरादाबाद)
त्रिपाठी, श्री कृष्ण देव (उन्नाव)

द

दंडपाणि, श्री (धारापुरम)
दलबीर सिंह, श्री (सिरसा)
दांडेकर, श्री नारायण (जामनगर)
दामानी, श्री (शोलापुर)
दार, श्री अब्दुल गनी (गुड़गांव)
दास चौधरी, श्री बे० कृ० (कूच बिहार)
दास, श्री न० ता० (जमुई)
दास, श्री सी० (तिरूपति)
दासप्पा, श्री तुलसीदास (मैसूर)
दिग्विजय नाथ, श्री महन्त (गोरखपुर)
दिनेश सिंह, श्री (प्रतापगढ़)
दीक्षित, श्री गं० च० (खंडवा)
दीपा, श्री अनिरुद्ध (फूलबनी)
दीवीकन, श्री (कल्लाकुरिच्चि)
दुरायरासु, श्री (पेरम्बलूर)
देव, श्री क० प्र० सिंह (ढेंकानाल)
देव, श्री धीरेन्द्र नाथ (अगुंल)
देव, श्री प्रताप केसरी (कालाहांडी)
देव, श्री रा० रा० सिंह (बोलनगीर)
देवगुण, श्री हरदयाल (पूर्व दिल्ली)
देवधरे, श्री न० रा० (नागपुर)
देविन्द्र सिंह, श्री (लुधियाना)
देशमुख, श्री कृ० गु० (अमरावती)
देशमुख, श्री भा० दा० (औरंगाबाद)
देशमुख, श्री शिवाजीराव शं० (परभणी)
देसाई, श्री चं० चु० (साबरकंठा)
देसाई, श्री दिनकर (कनारा)
देसाई, श्री मोरारजी (सूरत)
द्विवेदी, श्री नागेश्वर (मछलीशहर)
द्विवेदी, श्री सुरेन्द्रनाथ (केन्द्रपाड़ा)

ध

धरंगधरा, श्री श्रीराज मेघराजजी (सुरेन्द्रनगर)
धुलेश्वर मीना, श्री (उदयपुर)

न

नन्दा, श्री गुलजारी लाल (कैथल)
नम्बियार, श्री (तिरुचिरापल्लि)
नायनार, श्री इ० के० (पालघाट)
नाघनूर, श्री मु० न० (बेलगांव)
नाथ पाई, श्री (राजापुर)
नायक, श्री गुरु चरण (क्योंझर)
नायक, श्री रा० वें० (रायचूर)
नायडू, श्री चेंगलराया (चित्तुर)
नायर, श्री क० कृ० (बहराइच)
नायर, श्री नी० श्रीकान्तन (क्विलोन)
नायर, श्री वासुदेवन (पीरमाडे)
नायर, श्रीमती शकुन्तला (केसरगंज)
नारायणन, श्री (पोलाची)
नाहाटा, श्री अमृत (बाडमेर)
निर्लेप कौर, श्रीमती (संगरूर)
निहालसिंह, श्री (चन्दौली)
नैयर, डा० सुशीला (झांसी)

प

पटेल, श्री जे० एच० (शिमोगा)
पटेल, श्री ना० नि० (बुलसर)
पटेल, श्री पाशाभाई (बड़ौदा)
पटेल, श्री बाबूराव (शाजापुर)
पटेल, श्री मणिभाई जे० (दमोह)
पटेल, श्री मनुभाई (डभाई)
पद्मावती देवी, श्रीमती (राजनन्दगांव)
पन्त, श्री कृष्ण चन्द्र (नैनीताल)
परमार, श्री द० रा० (पाटन)
परमार, श्री भालजीभाई (दोहद)
पस्वान, श्री केदार (रोसेरा)
पहाड़िया, श्री जगन्नाथ (हिन्डौन)
पाओकाई हाओकिप, श्री (वाह्य मनीपुर)
पाटिल, श्री अनन्तराव (अहमदनगर)
पाटिल, श्री चू० अ० (धूलिया)
पाटिल, श्री तु० अ० (उस्मानाबाद)
पाटिल, श्री देवराव (यवतमाल)
पाटिल, श्री ना० रा० (भोर)
पाटिल, श्री स० दा० (सांगली)
पाटिल, श्री से० ब० (बागलकोट)
पाटोदिया, श्री देवकीनन्दन (जालोर)
पाणिग्रही, श्री चिन्तामणि (भुवनेश्वर)
पाण्डेय, श्री काशीनाथ (पदरौना)
पाण्डेय, श्री विश्वनाथ (सलेमपुर)
पाण्डेय, श्री सरजू (गाजीपुर)
पार्थसारथी, श्री (राजमपेट)
पालचौधरी, श्रीमती इला (कृष्णनगर)
पुनाचा, श्री चे० मु० (मंगलौर)
पुरी, डा० सूर्य प्रकाश (नवादा)
प्रताप सिंह, श्री (शिमला)
प्रधानी, श्री ख० (नौरंगपुर)
प्रमाणिक, श्री जि० ना० (बलूरघाट)
प्रसाद, श्री य० ऊं० (मचिलीपट्टणम)

फ

फरनेन्डीज, श्री जार्ज (बम्बई-दक्षिण)

ब

बख्शी, श्री गुलाम मुहम्मद (श्रीनगर)
बजाज, श्री कमलानयन (वर्धा)
बदरुद्दुजा, श्री (मुर्शिदाबाद)
बनर्जी, श्री स० मो० (कानपुर)
बरमन, श्री किरित विक्रमदेव (त्रिपुरा-पूर्व)
बरुआ, श्री बेदब्रत (कलियाबोर)
बरुआ, श्री राजेन्द्रनाथ (जोरहाट)
बरुआ, श्री हेम (मंगलदाई)
बसवन्त, श्री (भिवंडी)
बसी, श्री सोहन सिंह (फिरोजपुर)
बसु, डा० मैत्रेयी (दारजीलिंग)
बसु, श्री ज्योतिर्मय (डायमण्ड हार्बर)
बसुमतारी, श्री (कोकराझार)

बाजपेयी, श्री बिद्याधर (अमेठी)
बाबू नाथ सिंह, श्री (सरगुजा)
बारुपाल, श्री प० ल० (गंगानगर)
बिड़ला, श्री राधा कृष्ण (झुंझनू)
बिरुआ, श्री कोलाई (सिंहभूम)
बिष्ठ, श्री जं० ब० सिं० (अलमोड़ा)
बिस्वास, श्री जि० मो० (बांकुरा)
बूटा सिंह, श्री (रोपड़)
बृज भूषण लाल, श्री (बरेली)
बृजराज सिंह कोटा, श्री (झालाबाड़)
बृजेन्द्र सिंह, श्री (भरतपुर)
बेरवा, श्री ओंकार लाल (कोटा)
बेसरा, श्री स० च० (दुमका)
बेहेरा, श्री बेधर (जाजपुर)
बैरो, श्री (नामनिर्देशित-आंग्ल-भारतीय)
बोस, श्री अमीय नाथ (आरामबाग)
बोहरा, श्री ओंकार लाल (चित्तौड़गढ़)
ब्रह्म प्रकाश, श्री (वाह्य दिल्ली)
ब्रह्मानन्द, स्वामी (हमीरपुर)

भ

भक्त दर्शन, श्री (गढ़वाल)
भगत, श्री ब० रा० (शाहबाद)
भगवती, श्री (तेजपुर)
भगवान दास, श्री (औसग्राम)
भट्टाचार्य, श्री चपलाकांत (रायगंज)
भण्डारे, श्री रा० ढो० (बम्बई-मध्य)
भदौरिया, श्री अर्जुन सिंह (इटावा)
भानु प्रकाश सिंह, श्री (सीधी)
भारती, श्री महाराज सिंह (मेरठ)
भार्गव, श्री ब० ना० (अजमेर)

म

मंगलाथुमाडम, श्री (मवेलिक्करा)
मंडल, डा० प० (विष्णुपुर)
मंडल, श्री जुगल (उलुबेरिया)
मंडल, श्री बि० प्र० (माधीपुरा)
मंडल, श्री यमुना प्रसाद (समस्तीपुर)
मधुकर, श्री क० मि० (केसरिया)
मधोक, श्री बलराज (दिल्ली दक्षिण)
मनोहरन, श्री (मद्रास उत्तर)
मयाबन, श्री (चिदाम्बरम)
मरंडी, श्री (राजमहल)
मरन, श्री मु० (मद्रास-दक्षिण)
मलहोत्रा, श्री इन्द्रजीत (जम्मू)
मसानी, श्री मो० रु० (राजकोट)
मसुरियादीन, श्री (चायल)
महतो, श्री भजहरि (पुरूलिया)
महाजन, श्री विक्रम चन्द (चम्बा)
महादेव प्रसाद, श्री (महाराजगंज)
महादेवप्पा, श्री रामपुर (गुलबर्गा)
महाराज सिंह, श्री (मैनपुरी)
महिषी, डा० सरोजिनी (धारवाड़ उत्तर)
महीडा, श्री नरेन्द्र सिंह (आनन्द)
माइति, श्री श० ना० (मिदनापुर)
माझी, श्री महेन्द्र (मयूरभंज)
माने, श्री शंकरराव दत्तात्रय (कोल्हापुर)
मास्टर, श्री भोलानाथ (अलवर)
मिनीमाता अगमदास गुरू, श्रीमती (जंजगीर)
मिर्जा, श्री बाकर अली (सिकन्दराबाद)
मिश्र, श्री ग० शं० (छिन्दवाड़ा)
मिश्र, श्री जनेश्वर (फूलपुर)
मिश्र, श्री विभूति (मोतिहारी)
मिश्र, श्री श्रीनिवास (कटक)
मीना, श्री मीठालाल (सवाई माधोपुर)
मुकने, श्री यशवन्त राव (दहानु)
मुकर्जी, श्री ही० ना० (कलकत्ता-उत्तर-पूर्व)
मुकर्जी, श्रीमती शारदा (रत्नगिरि)
मुत्तुस्वामी, श्री सी० (करूर)
मुल्ला, श्री आनन्द नारायण (लखनऊ)
मुहम्मद इमाम, श्री जे० (चित्रदुर्ग)
मुहम्मद इस्माइल, श्री (बैरकपुर)
मुहम्मद इस्माइल, श्री एम० (मंजेरी)

मुहम्मद यूसुफ, श्री (सीवन)
मुहम्मद शरीफ, श्री (रामनाथपुरम)
मूर्ति, श्री ब० सू० (अमलापुरम)
मूर्ति, श्री मि० सू० (अनकापल्लि)
मृत्युन्जय प्रसाद, श्री (महाराज गंज)
मेघ चन्द्र, श्री (आन्तरिक मनीपुर)
मेनन, श्री गोविन्द (मुकन्दपुरम)
मेनन, श्री विश्वनाथ (एरणाकुलम)
मेलकोटे, डा० (हैदराबाद)
मेहता, श्री अशोक (भंडारा)
मेहता, श्री प्रसन्न भाई (भावनगर)
मोडक, श्री वि० कु० (हुगली)
मोडी, श्री पीलु (गोधरा)
मोलहू प्रसाद, श्री (बांसगांव)
मोहन स्वरूप, श्री (पीलीभीत)
मोहसिन, श्री (धारवाड़-दक्षिण)
मोहिन्द्र कौर, श्रीमती (पटियाला)

य

याज्ञिक, श्री (अहमदाबाद)
यादव, श्री चन्द्र जीत (आजमगढ़)
यादव, श्री जागेश्वर (बांदा)
यादव, श्री नगेन्द्र प्रसाद (सीतामढ़ी)
यादव, श्री राम सेवक (बाराबंकी)
यशपाल सिंह, श्री (देहरादून)

र

रंगा, श्री (श्रीकाकुलम)
रघुरामैया, श्री (गुन्टूर)
रजनीदेवी, श्रीमती (रायगढ़)
रणजीत सिंह, श्री (खलिलाबाद)
रणधीर सिंह, श्री (रोहतक)
रमानी, श्री (कोयम्बत्तूर)
राउत, श्री भोला (बगहा)
राज देव सिंह, श्री (जौनपुर)
राजशेखरन, श्री (कनकपुरा)
राजाराम, श्री (सेलम)
राजू, डा० द० स० (राजमंड्रि)
राजू, श्री द० ब० (नरसापुर)
राज्य लक्ष्मी, श्रीमती ललिता (धनबाद)
राणा, श्री (भड़ौच)
राधाबाई, श्रीमती (भद्राचलम)
राने, श्री (बुलडाना)
राम, श्री तु० (अरारिया)
राम चरण, श्री (खुर्जा)
रामजी राम, श्री (अकबरपुर)
राम धन, श्री (लालगंज)
राम धनी दास, श्री (गया)
राम भद्रन, श्री टी० डी० (तिन्द्रीवनम्)
राम मूर्ति, श्री (मदुरै)
राम मूर्ति, श्री एस० पी० (शिवकाशी)
राम शेखर प्रसाद सिंह, श्री (छपरा)
राम सुभग सिंह, डा० (बक्सर)
राम सेवक, श्री (जालौन)
राम स्वरूप, श्री (रोबर्ट्सगंज)
राय, श्री चितरंजन (जयनगर)
राय, श्री रवि (पुरी)
राय, श्री विश्वनाथ (देवरिया)
राय, श्रीमती उमा (माल्दा)
राव, डा० कु० ल० (विजयवाड़ा)
राव, डा० वी० के० आर० वी० (बेल्लारी)
राव, श्री क० नारायण (बोबिबली)
राव, श्री जगन्नाथ (छतरपुर)
राव, श्री रामपथी (करीमनगर)
राव, श्री तिरूमल (काकिनाडा)
राव, श्री मुत्याल (नगर कुरनूल)
राव, श्री रामेश्वर (महबूबनगर)
राव, श्री नरसिम्हा (पार्वतीपुरम)
रेड्डी, श्री ईश्वर (कड़प्पा)
रेड्डी, श्री एन्थनी (अनन्तपुर)
रेड्डी, श्री गंगा (आदिलाबाद)
रेड्डी, श्री जी० एस० (मिरियीलगुडा)
रेड्डी, श्री दशरथ राम (कावली)
रेड्डी, श्री नारायण (निजामाबाद)
रेड्डी, श्री नीलम संजीव (हिन्दपुर)

रेड्डी, श्री सुरेन्द्र (वारंगल)
रेड्डी, श्रीमती सुधा (मधुगिरी)
रोहतगी, श्रीमती सुशीला (बिल्हौर)

ल

लकप्पा, श्री क० (तुमकुर)
लक्ष्मी कान्तम्मा, श्रीमती (खम्मम)
लक्ष्मीबाई, श्रीमती (मेडक)
ललित सेन, श्री (मन्डी)
लास्कर, श्री नि० रं० (करीमगंज)
लिमये, श्री मधु (मुंघेर)
लुत्फुल हक, श्री (जंगीपुर)
लोबो प्रभु, श्री (उदिपि)

व

वंश नारायण, श्री (मिर्जापुर)
वर्मा, श्री प्रेम चन्द (हमीरपुर)
वर्मा, श्री बालगोविन्द (खेरी)
वाजपेयी, श्री अटल बिहारी (बलरामपुर)
विजयराजे, श्रीमती (छतरा)
विद्यार्थी, श्री राम स्वरूप (करौलबाग)
विश्वनाथन, श्री (वंडीवाश)
विश्वनाथन, श्री तेन्नेटि (विशाखापटनम)
विश्वम्भरम, श्री (त्रिवेन्द्रम)
वीरभद्र सिंह, श्री (महासू)
वीरप्पा, श्री रामचन्द्र (बीदर)
वेंकटासुब्बया, श्री पें० (नन्दयाल)
वैंकटा स्वामी, श्री (सिद्धिपेट)
व्यास, श्री रमेशचन्द्र (भीलवाड़ा)

श

शंकरानन्द, श्री बी० (चिकोडी)
शम्भू नाथ, श्री (सैदपुर)
शर्मा, श्री अ० त्रि० (भंजनगर)
शर्मा, श्री दी० चं० (गुरदासपुर)
शर्मा, श्री ना० स्व० (डुमरियागंज)
शर्मा, श्री नवल किशोर (दौसा)
शर्मा, श्री माधोराम (करनाल)
शर्मा, श्री यज्ञ दत्त (अमृतसर)
शर्मा, श्री योगेन्द्र (बेगुसराय)
शर्मा, श्री रामावतार (ग्वालियर)
शर्मा, श्री वेणी शंकर (बंका)
शर्मा, श्री शिव (विदिशा)
शशि भूषण, श्री (खारगोन)
शशिरंजन, श्री (पपरी)
शारदानन्द, श्री (सीतापुर)
शालवाले, श्री राम गोपाल (चांदनी चौक)
शास्त्री, श्री प्रकाशवीर (हापुड़)
शास्त्री, श्री रघुवीर सिंह (बागपत)
शास्त्री, श्री रामानन्द (बिजनौर)
शास्त्री, श्री रामावतार (पटना)
शास्त्री, श्री विश्वनारायण (लखीमपुर)
शास्त्री, श्री शिव कुमार (अलीगढ़)
शास्त्री, श्री शिवपूजन (विक्रमगंज)
शाह, श्री टी० पी० (कांकर)
शाह, श्री मानवेन्द्र (टिहरी गढ़वाल)
शाह, श्री वीरेन्द्र कुमार (जूनागढ़)
शाह, श्री शान्तिलाल (उत्तर-पश्चिम-बम्बई)
शाह, श्रीमती जयाबेन (अमरेली)
शिंकरे, श्री (पंजिम)
शिन्दे, श्री अन्ना साहिब (कोपरगांव)
शिव चंडिका प्रसाद, श्री (जमशेदपुर)
शिव चरण लाल, श्री (फिरोजाबाद)
शिव नारानण, श्री (बस्ती)
शिवप्पा, श्री (हसन)
शिवशंकरन, श्री (श्रीपुरेम्बटूर)
शुक्ल, श्री शं० ना० (रीवा)
शुक्ल, श्री विद्याचरण (महासमंद)
शेर सिंह, श्री (झज्जर)
श्रीधरन, श्री (बडागरा)

स

संकटा प्रसाद, डा० (मिसरिख)
संजीरूपजी, श्री (दादरा तथा नगर हवेली)
संत बक्स सिंह, श्री (फतेहपुर)

संतोषम, डा० म० (तिरुचेंडर)
संबन्धन, श्री (तिरुताणि)
सईद, श्री प० मु० (लक्कादीव, मिनिकाय तथा अमीनदीवी द्वीपसमूह)
सट, श्री अब्राहीम सुलेमान (कोजीकोडे)
सत्य नारायण सिंह, श्री (वाराणसी)
सप्रे, श्रीमती तारा (बम्बई-पूर्वोत्तर)
सलीम, श्री मु० यू० (नलगौंडा)
सहगल, श्री अ० सिं० (बिलासपुर)
सांधी, श्री न० कु० (जोधपुर)
साम्भली, श्री इस्हाक (अमरोहा)
साधू राम, श्री (फिल्लौर)
साबू, श्री श्रीगोपाल (सीकर)
सामन्त, श्री सतीश चन्द्र (तामलुक)
सामिनाथन्, श्री (गोबीचेट्टिपलयम)
साम्बसिवम, श्री (नागपट्टिणम)
साल्वे, श्री न० कु० (बेतूल)
सावित्री श्याम, श्रीमती (आंवला)
साहा, डा० शि० कु० (वीरभूम)
सिंह, श्री जि० ब० (साहाबाद)
सिंह, श्री दि० ना० (मुजफ्फरपुर)
सिंह, श्री दे० वि० (सतना)
सिंह, श्री मुद्रिका (औरंगाबाद)
सिंह, श्री राम कृष्ण (फैजाबाद)
सिंह, श्री सत्यनारायण (दरभंगा)
सिद्दय्या, श्री (चामराजनगर)
सिद्धेश्वर प्रसाद, श्री (नालंदा)
सिन्हा, श्रीमती तारकेश्वरी (बाढ़)
सुदर्शनम, श्री म० (नरसारावपेट)
सुन्दरलाल, श्री (सहारनपुर)
सुन्दर लाल, श्री झा० (बस्तर)
सूपकार, श्री श्रद्धाकर (सम्बलपुर)
सुब्रावेलू, श्री (मयूरम)
सुरेन्द्रपाल सिंह, श्री (बुलन्दशहर)
सूरजभान, श्री (अम्बाला)
सूर सिंह, श्री (झाबुपुर)
सूर्य नारायण, श्री को०(एल्लूरू)
सेक्वीरा, श्री (मरमागोआ)
सेझियान, श्री (कुम्बकोणम)
सेट, श्री तु० म० (कच्छ)
सेठी, श्री प्र० चं० (इन्दौर)
सेतुरामे, श्री नं० (पांडिचेरी)
सेन, डा० रानेन (बारासाट)
सेन, श्री अ० कु० (कलकता-उतर-पश्चि
सेन, श्री देवेन (आसनसोल)
सेन, श्री द्वैपायन (कटवा)
सेन, श्री फ० गो० (पूर्णिया)
सैयद अली, श्री (जलगांव)
सोंधी, श्री मनोहर लाल (नई दिल्ली)
सोनार, डा० अ० ग० (रामटेक)
सोनावने, श्री (पंढरपुर)
सोमसुन्दरम, श्री (थंजावूर)
सोमानी, श्री नन्दकुमार (नागौर)
सोलंकी, श्री प्र० नं० (कैरा)
सोलंकी, श्री सोमचन्द (गांधी नगर)
स्नातक, श्री नर देव (हाथरस)
स्वर्ण सिंह, श्री (जालन्धर)
स्वेल, श्री (आसाम-स्वायत्तशासी जिले)

ह

हजरनवीस, श्री (चित्तूर)
हजारिका, श्री जो० ना० (डिब्रुगढ़)
हनुमन्तय्या, श्री (बंगलौर)
हरिकृष्ण, श्री (इलाहाबाद)
हाल्दर, श्री कं० (मथुरापुर)
हिम्मतसिंहका, श्री (गोड्डा)
हीर जी भाई, श्री (बांसबाडा)
हेमराज, श्री (कांगड़ा)

लोक-सभा

अध्यक्ष

श्री नी० संजीव रेड्डी

उपाध्यक्ष

श्री र० के० खाडिलकर

सभापति तालिका

श्री तिरूमल राव

श्रीमती तारकेश्वरी सिन्हा

श्री रा० ढो० भंडारे

श्री गाडिलिंगन गौड

श्री वासुदेवन नायर

श्री हेम बरुआ

सचिव

श्री श्यामलाल शकधर

भारत सरकार

मंत्रिमंडल के सदस्य

प्रधानमंत्री, अणुशक्ति मंत्री तथा योजना मंत्री	श्रीमती इन्दिरा गांधी
उप-प्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री	श्री मोरारजी देसाई
औद्योगिक विकास, आंतरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्री	श्री फख़रुद्दीन अली अहमद
वैदेशिक व्यापार तथा पूर्ति मंत्री	श्री ब० रा० भगत
गृह-कार्य मंत्री	श्री यशवन्तराव चह्वाण
श्रम तथा पुनर्वास मंत्री	श्री हाथी
खाद्य तथा कृषि मंत्री	श्री जगजीवन राम
विधि तथा समाज कल्याण मंत्री	श्री गोविन्द मेनन
इस्पात तथा भारी इन्जिनियरिंग मंत्री	श्री चे० मु० पुनाचा
शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्री	डा० वी० के० आर० वी० राव
पेट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्री	डा० त्रिगुण सेन
स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन और निर्माण, आवास तथा नगरीय विकास मंत्री	श्री के० के० शाह
वैदेशिक-कार्य मंत्री	श्री दिनेश सिंह
रेलवे मंत्री	डा० राम सुभग सिंह
पर्यटन तथा असैनिक उड्डयन मंत्री	डा० कर्ण सिंह
प्रतिरक्षा मंत्री	श्री स्वर्ण सिंह
सूचना तथा प्रसारण और संचार मंत्री	श्री सत्य नारायण सिंह

राज्य मंत्री

श्रम, रोजगार तथा पुनर्वास मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री भागवत झा आजाद
शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री भक्त दर्शन
स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन और निर्माण, आवास तथा नगरीय विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री	डा० श्री चन्द्रशेखर
पेट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री० द० रा० चह्वाण
रेलवे मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री परिमल घोष
विधि मंत्रालय और समाज कल्याण विभाग में राज्य मंत्री	डा० (श्रीमती) फूलरेणु गुह
सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय और संचार विभाग में राज्य मंत्री	श्री इ० कु० गुजराल
खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री एम० एस० गुरुपदस्वामी

पेट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री जगन्नाथ राव
प्रतिरक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री ल० ना० मिश्र
स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन और निर्माण, आवास तथा नगरीय विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री ब० सू० मूर्ति
इस्पात तथा भारी इन्जिनियरिंग मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री कृष्ण चन्द्र पन्त
संसद्-कार्य और नौवहन तथा परिवहन मंत्री	श्री रघुरामैया
सिंचाई और विद्युत मंत्री	डा० कु० ल० राव
औद्योगिक विकास, आंतरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री रघुनाथ रेड्डी
वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री प्र० चं० सेठी
खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री अन्नासाहिब शिन्दे
गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री विद्याचरण शुक्ल
सूचना तथा प्रसारण और संचार विभाग में राज्यमंत्री	श्री शेर सिंह

उप मंत्री

रेलवे मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री रोहन लाल चतुर्वेदी
खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री डा० एरिंग
शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय में उप-मंत्री	श्रीमती जहां आरा जयपाल सिंह
श्रम, रोजगार तथा पुनर्वास मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री स० चु० जमीर
प्रतिरक्षा मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री मं० रं० कृष्ण
पर्यटन तथा असैनिक उड्डयन मंत्रालय में उप-मंत्री	डा० सरोजनी महिषी
इस्पात तथा भारी इन्जिनियरिंग मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री मुहम्मद शफी कुरेशी
वित्त मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री जगन्नाथ पहाड़िया
गृह-कार्य मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री के० एस० रामास्वामी
वैदेशिक व्यापार तथा पूर्ति मंत्रालय में उपमंत्री	चौधरी राम सेवक
विधि मंत्रालय तथा समाज कल्याण विभाग में उप-मंत्री	श्री मुत्याल राव
विधि मंत्रालय और समाज कल्याण विभाग में उप-मंत्री	श्री मु० यूनस सलीम
उप-मंत्री	श्रीमती नन्दिनी सत्पथी
सिंचाई तथा विद्युत मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री सिद्धेश्वर प्रसाद
औद्योगिक विकास, आंतरिक व्यापार तथा समवाय कार्य मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री भानु प्रकाश सिंह
संसद्-कार्य विभाग और नौवहन तथा परिवहन मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री इकबाल सिंह
वैदेशिक-कार्य मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री सुरेन्द्र पाल सिंह

लोक-सभा
LOK SABHA

सोमवार, 17 फरवरी, 1969/28 माघ, 1890 (शक)
Monday, February 17, 1969/Magha 28, 1890 (Saka)

लोक-सभा 12-30 म० प० पर समवेत हुई
The Lok Sabha met at Thirty Minutes past Twelve of the Clock

[**अध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए**
MR. SPEAKER *in the Chair*]

सदस्यों द्वारा शपथ ग्रहण
MEMBERS SWORN

श्री के० कामराज (नागरकोइल)
श्री जनेश्वर मिश्र (फूलपुर)
श्री जयसिंह (होशियारपुर)

राष्ट्रपति का अभिभाषण
PRESIDENT'S ADDRESS

सचिव : मैं 17 फरवरी, 1969 को एक साथ समवेत संसद के दोनों सभाओं के समक्ष दिये गये राष्ट्रपति के अभिभाषण की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) सभा-पटल पर रखता हूं। [**पुस्तकालय में रखी गयी। देखिये संख्या एल० टी० 1/69**]

विदेशी विवाह विधेयक
FOREIGN MARRIAGE BILL
संयुक्त समिति का प्रतिवेदन
Report of Joint Committee

श्री विक्रम चन्द्र महाजन (चम्बा) : मैं भारत के नागरिकों के भारत से बाहर विवाहों के बारे में व्यवस्था करने वाले विधेयक सम्बन्धी संयुक्त समिति के प्रतिवेदन की एक प्रति सभा-पटल पर रखता हूं।

संयुक्त समिति के समक्ष साक्ष्य
Evidence Before Joint Committee

श्री विक्रम चन्द महाजन : मैं भारत के नागरिकों के भारत से बाहर विवाहों के बारे में व्यवस्था करने वाले विधेयक सम्बन्धी संयुक्त समिति के समक्ष दिये गये साक्ष्य की एक प्रति सभा-पटल पर रखता हूं।

संविधान (बाइसवां संशोधन) विधेयक
CONSTITUTION (TWENTY-SECOND AMENDMENT) BILL

संयुक्त समिति का प्रतिवेदन पेश करने की अवधि बढ़ाना
Extension of time for presentation of Report of Joint Committee

श्री शान्तिलाल शाह (बम्बई-उत्तर पश्चिम) : मैं प्रस्ताव करता हूं :

"कि यह सभा भारत के संविधान में आगे संशोधन करने वाले विधेयक सम्बन्धी संयुक्त समिति का प्रतिवेदन पेश करने के लिये नियत समय 12 मार्च, 1969 तक बढ़ाती है ।"

अध्यक्ष महोदय : प्रश्न यह है :

"कि यह सभा भारत के संविधान में आगे संशोधन करने वाले विधेयक सम्बन्धी संयुक्त समिति का प्रतिवेदन पेश करने के लिये नियत समय 12 मार्च, 1969 तक बढ़ाती है ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ
The motion was adopted

पंजाब के सम्बन्ध में उद्घोषणा का प्रतिसंहरण (रद्द करना)
REVOCATION OF PROCLAMATION IN RELATION TO PUNJAB

गृह-कार्य मंत्री (श्री यशवन्त राव चह्वाण) : मैं राष्ट्रपति द्वारा पंजाब राज्य के सम्बन्ध में 17 फरवरी, 1969 को जारी की गई उद्घोषणा की एक प्रति, जो दिनांक 17 फरवरी, 1969 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या जी० एस० आर० 301 (अंग्रेजी संस्करण) और जी० एस० आर० 302 (हिन्दी संस्करण) में प्रकाशित हुई थी, संविधान के अनुच्छेद 356 के खण्ड (3) के अन्तर्गत सभा-पटल पर रखता हूं, जिसके द्वारा 23 अगस्त, 1968 को जारी की गई उनकी उद्घोषणा प्रतिसंहृत की जाती है। **[पुस्तकालय में रखी गयी। देखिए संख्या एल०टी० 2/69]**

निधन सम्बन्धी उल्लेख
OBITUARY REFERENCES

अध्यक्ष महोदय : मुझे सभा को हमारे तीन मित्रों यथा श्री सी० एन० अन्नादुरै, श्री एस० रामास्वामी तथा श्री माणिक्य लाल वर्मा के दुःखद निधन की सूचना देनी है ।

श्री सी० एन० अन्नादुरै 1967 के आम चुनावों में मद्रास दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र से चौथी लोक सभा के लिये निर्वाचित हुए थे, तथापि तामिलनाडु का मुख्य मंत्री बनने के बाद वह तामिलनाडु विधान परिषद के लिए चुने गये थे और लोक-सभा में उनका स्थान रिक्त हो गया था । वह बहुत सम्मानित तथा गतिशील लोक-प्रिय नेता थे । मेरी उनके साथ हाल ही में उनकी मृत्यु के कुछ ही दिन पूर्व 17 जनवरी को उनके निवास स्थान पर मुलाकात हुई थी, लेकिन उनकी मृत्यु इतनी निकट है, मुझे स्वप्न में भी प्रतीत नहीं हुआ था । वह बहुत ही विनम्र, दयालु,

आकर्षक तथा हंसमुख व्यक्ति थे। श्री अन्नादुरै जैसे महान नेता के आकस्मिक निधन पर मुझे वास्तव में बहुत दुख है।

श्री एस० रामास्वामी नायडू वर्ष 1950-52 की अवधि में अस्थायी संसद के सदस्य थे। उनका 9 जनवरी, 1969 को 68 वर्ष की आयु में अपने पैत्रिक गृह, सेमकमलनाच्यापुरम में निधन हुआ।

श्री माणिक्य लाल वर्मा वर्ष 1947-67 की अवधि में भारत की संविधान सभा, अस्थायी संसद, पहली, दूसरी तथा तीसरी लोक-सभा के सदस्य रहे। 24 जनवरी, 1969 को 71 वर्ष की आयु में उदयपुर में उनका स्वर्गवास हुआ।

हमें इन मित्रों के निधन पर बहुत दुःख हुआ है और मुझे विश्वास है कि शोक संतप्त परिवारों को हार्दिक संवेदनाएं भेजने में सभा मेरा साथ देगी।

प्रधान मंत्री, अणु-शक्ति मंत्री तथा योजना मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : श्री अन्ना दुरै, श्री एस० रामास्वामी तथा श्री माणिक्य लाल वर्मा के निधन पर हमें भारी दुःख हुआ है।

मुझे मद्रास में श्री अन्नादुरै के प्रति सार्वजनिक श्रद्धाञ्जलि अर्पित करने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने एक सम्मानित सदस्य के रूप में दूसरे सदन की सेवा की है और यदि उन्हें तामिलनाडु से उनके दल का निमन्त्रण नहीं मिलता, तो वह इस सभा के भी सदस्य रहते।

पिछले आम चुनावों के बाद विभिन्न राज्यों में विभिन्न दलों की सरकारें सत्तारूढ़ हुईं और स्वाभाविक है कि हमारी संघीय व्यवस्था को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। तामिलनाडु के मुख्य मंत्री के रूप में श्री अन्नादुरै ने केन्द्र और राज्यों के बीच स्वस्थ सम्बन्धों को विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। हम राष्ट्रीय विकास परिषद, मुख्य मंत्रियों के सम्मेलन तथा अन्य अवसरों पर भी उनकी विवेकपूर्ण राय से वंचित रहेंगे।

श्री अन्नादुरै एक राजनीतिज्ञ तथा प्रसिद्ध भारतीय थे जिनका ऐसे समय पर निधन हुआ है जबकि हमें उनकी सेवाओं की बहुत बड़ी आवश्यकता थी।

श्री एस० रामास्वामी एक पुराने राजनीतिज्ञ थे और वह अस्थायी संसद् के एक सदस्य थे। उन्होंने विभिन्न राजनैतिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक क्षेत्रों में काम किया। हम उनका अभाव महसूस करेंगे।

हमारे दूसरे सहयोगी श्री माणिक्य लाल वर्मा का भी, जो संसद के पिछले अधिवेशन तक हमारे साथ थे और जो एक वरिष्ठ तथा सम्मानित व्यक्ति थे, निधन हो गया है। स्वतन्त्रता के प्रमुख सेनानियों में उनका स्थान था और वह कई बार जेल गये थे। वह निम्न वर्ग के लोगों के हितों की रक्षा करने में बहुत रुचि लेते थे तथा तदर्थ दत्तचित्त होकर कार्य करते थे। उन्होंने

संविधान सभा के सदस्य के रूप में और बाद में अस्थायी संसद तथा पहली लोक सभा के सदस्य के रूप में और राजस्थान के प्रथम मुख्य मंत्री के रूप में देश की महत्वपूर्ण सेवा की है।

अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार तथा इस सभा की ओर से आपसे संतप्त परिवारों के सदस्यों को हमारी हार्दिक सहानुभूति एवं संवेदनाएं भेजने का अनुरोध करती हूं।

श्री रंगा (श्री काकुलम) : श्री अन्नादुरै ने, जिनका लोकप्रिय नाम "अन्ना" है, हमारे सम्मानित राष्ट्रीय नेताओं का स्थान प्राप्त किया है। वह उच्चकोटि के सामाजिक कार्यकर्ता थे। उन्होंने तामिल साहित्य की अद्वितीय सेवा की है। श्री अन्नादुरै जीवन भर पिछड़े वर्गों की मुक्ति तथा उत्थान के लिये कार्य करते रहे। वह एक महान समाज सुधारक तथा क्रान्तिकारी पुरुष थे।

विश्व में मानवतावाद के लिए उन्होंने सराहनीय योगदान दिया है। उन्होंने पेरियार के नेतृत्व में उन दलित वर्गों को मुक्त करने की जिम्मेदारी उठायी जो काफी लम्बे समय से दासता की भावना से पीड़ित थे और उन्होंने इस दिशा में इतना कठिन कार्य किया और इतनी सफलता से किया कि वह उस चीज को संभव बनाने में सफल हुए जिसमें कई अन्य सामाजिक क्रान्तिकारियों को सफलता नहीं मिल सकी। वह एक महान विभूति थे और मैं उस दिवंगत आत्मा को अपनी स्नेहमय श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

श्री एस० रामास्वामी मेरे मित्र भी रहे हैं। वह बड़े हंसमुख प्रतिभाशाली तथा उदार प्रकृति के व्यक्ति थे और स्वतन्त्रता संग्राम के एक सेनानी थे। वह प्रान्तीय कांग्रेस समिति के कई वर्ष तक अध्यक्ष पद पर आसीन रहे थे। वह केवल राजनैतिक दलों के लिये ही नहीं अपितु दुःखी लोगों के लिये भी शक्ति के स्रोत थे।

श्री माणिक्य लाल वर्मा भी हमारे मित्र थे। उन्होंने पिछड़े लोगों के लिये काफी काम किया। उन्होंने राजस्थान की राजनीति में तथा राजस्थान को मुक्ति दिलाने में भी सराहनीय भाग लिया।

Shri Atal Bihari Vajpayee (Balrampur) : Sir, Shri C. N. Annadurai was a great son of India. He had risen to be one of our respected national leaders. He was an illustrious example of what the great and rich Tamil literature tells us about our ancient way of life and prosperity. In fact he was a symbol of ancient Tamil culture and literature.

Our life is full of diversities and Shri Annadurai was an advocate of diversity. However, he did not allow himself to be swept away by the tenets of diversity. He practised the formula of unity in diversity. He was a great patriot. Brushing aside all the political, linguistic and regional differences, Shri Annadurai stood united with the national mainstream to defend the integrity and sovereignty of the country during the Indo-Pak conflict. He felt proud of our ancient culture. He was a man of letters, he was a writer, a journalist and a great orator.

It is an irony of fate that he was snatched away from our midst when he reached the

highest pinnacles of his glory and at a time his services were greatly needed. The country has suffered a great loss and the void created due to his sad and sudden demise is not possibly to be filled up in immediate future.

We deeply mourn the loss of this highly esteemed and popular leader. His profound love for the nation, his belief in the integrity of the country, his determination to fight for unity in diversity and his devotion to the cause of under-privileged and down-trodden people will always guide us in our life.

In this moment of sorrow, our deep sympathies go to the people of Tamilnadu and particularly to our DMK freinds. Although death is the destiny of our body but there are certain deaths which shock our inner feelings very badly.

Shri Manikya Lal Varma was a brave man who continuously struggled for the Independence of the country and setting up of the responsible Governments in the states. He sacrificed everything for the sake of independence, and after the independence was achieved, he put himself into creative social work in his own way.

I express my hearty tributes to these two great leaders—Shri Annadurai and Shri Manikya Lal Varma. Also I express my and my party's sense of grief on the demise of Shri S.Ramaswamy Naidu, who had been the Hon. Member of our First Parliament.

श्री ही० ना० मुकर्जी (कलकत्ता-उत्तर पूर्व) : मैं और मेरा दल अपने इन तीन महान साथियों के निधन पर यहां सभा में व्यक्त किये गये गहरे शोक में भागीदार हैं ।

अपने देश के राजनीतिज्ञों में एक अद्वितीय हस्ती, श्री अन्नादुरई, के निधन पर हमें विशेष रूप से बहुत गहरा क्षोभ हुआ है । श्री अन्नादुरई उन बहुत थोड़े व्यक्तियों में से एक थे जिन्होंने हमारे सामाजिक जीवन पर एक बहुत गहरी छाप छोड़ी है ।

वह एक सशक्त व्यक्ति तथा अनुभूतिशील लेखक व पत्रकार थे । मुझे आश्चर्य होता है कि दूर दक्षिण में, जहां कि रूढ़िवाद और पुरातनवाद का गढ़ है, वहां पेरियार जैसे व्यक्ति द्वारा एक ऐसा आन्दोलन आरम्भ किया गया तथा अन्नादुरई जैसे महान व्यक्ति द्वारा उसे आगे बढ़ाया गया । धन्य है वह व्यक्ति जिसने लाखों लोगों का प्यार पाया । उसके निधन के शोक में रोते हुए लोगों को देखकर ऐसा लगता था मानों कि उन लोगों के हृदय फट गये हों और मैं समझता हूं कि राजनीति का उद्देश्य भी इसी प्रकार पूरा होता है जैसे कि श्री अन्नादुरई ने किया । वह आज जीवित नहीं हैं ।

मेरे विचार से हमें उन भावनाओं को समझना चाहिए जो की अन्नादुरई द्वारा चलाये गये आन्दोलन के पीछे निहित हैं । जब दक्षिण जैसे रूढ़िवादी और छुआ छूत को मानने वाले प्रदेश में ये चीजे केवल लोगों में आत्म सम्मान जगाकर ही समाप्त की जा सकती हैं, तो हमारा भी यह कर्त्तव्य है कि हम इसी भावना को सारे देश में फैलाने की आवश्यकता पर विचार करें ।

यद्यपि हमारे साथ उनके कई बातों में मतभेद थे परन्तु श्री अन्नादुरई सदैव ही देशभक्ति का रवैया अपनाते थे । यह ठीक है कि कई बार उन्होंने एक ऐसा अभियान भी चलाया जिसका अर्थ था कि भारत का एक अंग भारत से ही अलग हो जाये, परन्तु साथ ही यह भी उन्हीं का कार्य था कि उन्होंने स्थिति के अनुकूल जागकर अपने लोगों को भारतीय जीवन की धारा में बहाया । यही कारण है कि उनसे सदैव ही सहमत न होते हुए भी हमने उनकी बड़ी प्रशंसा की है । वह एक विशिष्ट प्रकार के राजनीतिज्ञ थे । वह एक ऐसे जन-नायक थे जिन्होंने लोगों के दिल जीत रखे थे । वह एक कुशल वक्ता थे । उनके इस अल्पायु-निधन पर हम सबको बहुत गहरा दुःख है । देश ने एक प्रतिभाशाली और महाचरित्रवान व्यक्ति खो दिया है ।

मैं इस सभा तथा अपने दल की ओर से इन तीनों व्यक्तियों के परिवारों के प्रति शोक-संवेदना प्रकट करता हूं ।

Shri S. M. Joshi (Poona) : A long time back when I met Shri Annadurai, I was very much surprised and impressed to find the magnitude of love and affection that he enjoyed from the entire common people. People called him 'Anna' and I can never forget the simplicity and clear hearted nature he possessed.

Shri Annadurai provided the people of South, particularly that of Tamilnadu, with a very right and effective leadership which is very necessary to meet different social and political challenges that we have been facing in the field of creative work since our Independence. But he was never proud for his success. In the present circumstances, when we find that we are facing many problems in regard to our national integrity, language, caste, religion etc. we have been deprived of such a great leader. We are very much aggrieved over this. But whereas his premature death has shocked the whole country, it has warned us also to be true to our people and to try to eradicate the existing disparity and discontentment among our countrymen.

Although I had no individual contacts with the other two deceased leaders, but they belonged to our older generation and have certainly contributed a lot to our life and we have to express our hearty tributes to them also. We should take inspiration from the qualities and virtues which these leaders possessed.

I request you to kindly convey our deep sympathies to the bereaved members of Shri Annadurai's family and his relatives .

श्री राममूर्ति (मदुरै) : जिन लोगों के निधन पर आज हम सब अपनी संवेदना प्रकट कर रहे हैं उन तीनों के बारे में अपनी भावनाएं प्रकट करना आज मेरे लिये बड़ा कठिन हो रहा है । वैसे तो सार्वजनिक तथा निजी जीवन में मेरा उनके साथ 30 वर्ष तक सम्बन्ध रहा है । जब तमिलनाडु के लाखों करोड़ों लोगों ने, जिन्होंने कि सारे जीवन अन्नादुरई को देखा तक नहीं था, उस अवसर पर अपनी श्रद्धांजलियां पेश कर दी हैं तो फिर, मेरे विचार से, मेरे लिये श्रद्धांजली के रूप में कोई शब्द कहना इतना महत्वपूर्ण नहीं है । उनकी मृत्यु का समाचार सुनते ही लाखों करोड़ों लोगों का एक विशाल समुद्र उनकी शवयात्रा देखने उमड़ पड़ा । सब रो रहे थे । क्यों ? केवल इसलिये नहीं कि वह एक सशक्त लेखक और वक्ता थे, बल्कि इसलिये भी कि वह अपनी

सशक्त लेखनी से क्या लिखते थे तथा अपनी प्रभावपूर्ण वक्तृता द्वारा क्या कुछ व्यक्त करते थे। यही कारण था कि तमिलनाडु के लाखों करोड़ों लोगों के वह प्रिय नेता बन गये थे। श्री अन्नादुरई ने अपनी लेखनी और शब्दों द्वारा दलित और उपेक्षित लोगों को जागृति प्रदान की। उनके अन्दर प्रचलित जाति-पांति के बन्धनों तथा उनमें व्याप्त आर्थिक प्रणाली की कठिनाइयों को दूर करने का प्रयत्न किया। श्री अन्नादुरई ने लोगों को बताया कि ये जितने भी सामाजिक बन्धन और अन्य बुराइयां हैं ये सब मनुष्य द्वारा ही बनाई गई हैं, ईश्वरीय देन नहीं हैं; तथा हम इनका मुकाबला करके ही अच्छा मानव-जीवन व्यतीत कर सकते हैं। इसी विश्वास को लेकर लोग उनके साथ थे।

श्री रामास्वामी नायडू के साथ मेरा बीस वर्ष तक सम्बन्ध रहा जबकि मैं कांग्रेस में था। वर्ष 1952-57 तक वह कांग्रेस में थे और मैं मद्रास विधान सभा में विपक्षी दल का नेता था। परन्तु हमारे राजनीति सम्बन्धी मतभेदों ने हमारे निजी सम्बन्धों को कोई हानि नहीं पहुंचाई। कई बार तो ऐसा भी हुआ कि श्री नायडू ने हमारे और सरकार के मध्य उत्पन्न हुए मतभेदों को दूर करने का भी बड़ा प्रयास किया। कई मामलों में समझौते कराये। लोगों की समस्याओं का समाधान करने के मामलों में वह राजनैतिक मतभेदों के बीच की बाधा नहीं बनने देते थे।

श्री माणिक्य लाल वर्मा को मैं व्यक्तिगत रूप से तो नहीं जानता था परन्तु मैंने उस समय उनका नाम सुना था जब वर्ष 1946-47 में विशेषकर राजस्थान में, उन्होंने लोगों को स्वतंत्रता प्राप्ति के उनके प्रयास में नेतृत्व प्रदान किया था।

मैं आपके और अपने सहयोगियों के साथ मिलकर इन स्वर्गीय नेताओं के दुःखी और संतप्त परिवारों के प्रति अपनी समवेदना प्रकट करता हूं। आप कृपया मेरी और मेरे दल की समवेदना दुःखी परिवारों के सदस्यों तक पहुंचा दें।

श्री सुरेन्द्र नाथ द्विवेदी (केन्द्रपाड़ा) : हमसे बिछड़े इन तीन मित्रों के प्रति जो श्रद्धांजलियां यहां दी गई हैं मैं और मेरा दल उनमें भागीदार हैं। इन मित्रों में से श्री अन्नादुरई को मैं व्यक्तिगत रूप से जानता था। जब मैं उनके आपरेशन के बाद उनसे न्यूयार्क हस्पताल में मिला था तो मैंने सोचा था कि खतरा दूर हो गया है परन्तु बाद में मैंने सुना कि वही तकलीफ उन्हें फिर हो गई है तथा इसके पश्चात् हमने यह दुःखदायी समाचार सुना।

निश्चितरूप से वह जनता के नेता थे। महात्मा गांधी के पश्चात् केवल वही ऐसे नेता थे जो कि लोगों के दर्द को अनुभव करते थे। अपना कार्य क्षेत्र उन्होंने विशेष रूप से तमिलनाडु को ही चुना था। और वास्तव में ही वह तमिलनाडु संस्कृति के प्रतीक थे तथा तमिल-सभ्यता का निर्माण कर रहे थे। परन्तु इससे भी अधिक वह लोगों की आकांक्षाओं तथा प्रेरणाओं का प्रतिनिधित्व करते थे। यही कारण था कि उन्हें खोकर लोग इतने दुःखी हुए।

यद्यपि उनके कुछ विचारों पर मेरा मतभेद था परन्तु मैं यह अस्वीकार नहीं करता कि वह एक महान देशभक्त थे।

देश की वर्तमान राजनीतिक स्थिति में, जबकि विभाजन तथा विघटन आदि की अनेक भावनायें जन्म ले रही हैं, मुझे आशा थी कि श्री अन्नादुरई इस संदर्भ में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे तथा देश में वास्तविक एकता के निर्माण में सहयोग देंगे। परन्तु अब वे नहीं रहे।

श्री अन्ना के निधन से केवल तमिलनाडु अथवा द्रविड़ मुनेत्र कषगम दल को ही नहीं बल्कि सारे देश को हानि हुई है। हमें आशा है कि श्री अन्नादुरई के विचारों से सही प्रेरणा लेकर देश एकता और उन्नति के प्रगति-पथ पर अग्रसर होगा।

अन्य मित्रों के बारे में जिन्हें मैं व्यक्तिगतरूप से नहीं जानता था, आप संतप्त परिवारों को हमारा संवेदना संदेश भेज देंगे।

श्री फ्रैंक एन्थनी (नामनिर्देशित आंग्ल भारतीय) : अध्यक्ष महोदय, हमारे तीन दिवंगत नेताओं के दुखद निधन पर व्यक्त किये गये उद्‌गारों से मैं अपने आपको सम्बद्ध करना चाहूंगा।

विशेषरूप से श्री अन्नादुराई के बारे में, मैं कुछ शब्द कहना चाहूंगा। कई वर्ष पहले मेरा उनसे परिचय हुआ था। उनके मुख्य मंत्री बनने के पश्चात अपने निर्वाचन क्षेत्र से सम्बन्धित विषयों के बारे में उनसे अनेक बार मिलने का मुझे अवसर मिला। जब उन्हें भारी बहुमत मिलने के बाद मैं उनसे मिला, तो मैंने पाया कि इसका उनपर कोई प्रभाव नहीं पड़ा था। मैं उनकी महानता का एक उदाहरण देता हूं। चुनावों के पश्चात् मैं अपनी जाति को प्रतिनिधित्व देने के बारे में उनसे मिला और एक ऐसे व्यक्ति का नाम रखा, जिसे मैं उपयुक्त समझता परन्तु उसने श्री अन्ना के दल का आम चुनाव में विरोध किया था। ये उनकी महानता का लक्षण था कि उन्होंने इस बात को भुलाकर उसके नाम को स्वीकार कर लिया।

मैंने पाया कि उन्होंने अपने मुख्य मंत्री रहने के अल्पकाल में तमिल सभ्यता, इतिहास और साहित्य की महानता और गौरव के प्रति तमिलभाषियों में एक नया प्रेम और उत्साह भर दिया। उन्होंने सभी व्यक्तियों का मन मोह लिया और उनका प्रेम और विश्वास प्राप्त कर लिया था। वे नव भारत में राजनीतिक नेतृत्व के एक श्रेयस्कर प्रतीक थे। वे अपने दल के सर्वोच्च निर्माता, एक महान वक्ता, जनप्रिय नेता थे और साथ ही कठोरता और रूखेपन से मुक्त थे।

Shri Prakash Vir Shastri (Hapur) : Mr. Speaker, Sir, I belong to the generation who did not get an opportunity to come into close contact with Shri Annadurai but who studied his activities though away from them and learnt from his valuable experiences. Shri Annadurai rose into eminence in our country as a social reformer and he continued to struggle against the crude caste distinction as part of his social reform activities, which he did not give up even after turning a successful politician. He was one of the Chief Ministers who believed in implementing the decision taken while conceiving the idea of a free India. He wanted to implement firmly the prohibition programme. At the time of Pak aggression he had conveyed to the late Prime Minister Lal Bahadur Shastri that he would put all his differences in a cold storage and the entire country from Kanya Kumari to Kashmir stood united behind him.

Shri Manikya Lal Verma was a Member of this House for a long time. Mr. Speaker, I had the privilege to work with him here in this House as well as outside it. I always found him to place the country above his party. He never hesitated to highlight the shortcomings of his party and faced them boldly. He voluntarily retired from Parliament so as to be able to do some constructive work in the border areas of Rajasthan, which he continued till his death. The Ministries of Defence and Home Affairs must be aware of the fact that Shri Verma toured on foot Indo-Pak border areas where no transport is available, especially in Rajasthan, and furnished vital information concerning the defence of the country. The demise of such a constructive worker is a loss not only for Rajasthan but for the entire country.

I would like to associate myself with the heart felt condolences paid to Shri Naidu and it is hoped that you will convey them to the bereaved families.

श्री तेन्नेटि विश्वनाथम (विशाखापत्तनम) : अन्य माननीय सदस्यों के साथ मैं भी संवेदना प्रकट करता हूं ।

सामासिक मद्रास राज्य में श्री एस० रामास्वामी मेरे सहयोगी थे । वह एक योग्य व्यक्ति थे और मैं श्री राममूर्ति के इस कथन से सहमत हूं कि श्री नायडू सदैव सन्तुलन तथा सामजस्य के मार्ग पर चलते थे ।

श्री अन्नादुरै ने बहुत समय पूर्व वयोवृद्ध कांग्रेसी नेता के नेतृत्व में स्वाभिमान आन्दोलन में सार्वजनिक जीवन में प्रवेश किया था और तभी से वह एक महान व्यक्ति के रूप में प्रसिद्ध हो गये ।

श्री अन्नादुरै ने जब द्रविड़ मुनेत्र कषगम् की स्थापना की तो वह उस राज्य के बड़े राजनीतिज्ञों में गिने जाने लगे । मद्रास के मुख्य मंत्री बनने पर वह दल गत सभी मत भेदों से ऊपर उठ गये और हाल की दशाब्दी में देश को महान राजनीतिज्ञ मिल गया ।

मैं इस कथन से पूर्णतः सहमत हूं कि वह जन नायक थे, उन्होंने जनता की सेवा की तथा मुख्य मंत्री के रूप में उन्होंने जनता के लिये प्रशासन चलाया था । यही कारण है कि उनकी मृत्यु पर लाखों जनता इस प्रकार शोकमग्न हो गई जैसे कि उनके अपने पिता की मृत्यु हुई हो ।

मैंने मद्रास से दूर विशाखापत्तनम में एक शोक सभा की अध्यक्षता की थी, वहां पर मैंने देखा कि वहां पर कुछ तमिल लोग रो रहे थे और सुबक रहे थे ।

यह इस बात का प्रतीक था कि उनके लिये जन-हृदय में अगाध प्रेम था ।

वह एक महान लेखक थे और लेखक से भी बढ़ कर वह एक महान वक्ता थे । मैंने अनेक मंचों पर उन्हें बोलते हुए सुना । मैं वहां पर देखता था कि जब वह भाषण देने के लिये उठते थे और जब अपना भाषण समाप्त करते थे तो लाखों मुरझाये हुये मुख आशा से खिल उठते थे । वह अपनी बात बड़े ही प्रभावशाली ढंग से कहते थे । जब वह बोलते थे तो श्रोता अपने आप को भूल जाते थे और उन्हें ऐसा प्रतीत होता था कि वह किसी अन्य की बात नहीं अपितु स्वयं

अपनी बात सुनाई दे रही हो। श्रोताओं और उनके बीच की दूरी समाप्त होकर उनमें तादात्म्य स्थापित हो जाता था।

साहित्य के एक विद्वान के रूप में उन्होंने तमिल भाषा को उन्नति के शिखर तक पहुंचा और एक वक्ता के रूप में उन्होंने महान ख्याति प्राप्त की। मैं उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

श्री मुहम्मद इस्माइल (मंजेरी) : अध्यक्ष महोदय, स्वर्गीय उचार तिरु पेरारिंजर सी० एन० अन्नादुरै, न केवल तमिलनाडू की अपितु सम्पूर्ण देश की जनता के प्रिय अन्ना थे। वह एक अद्वितीय महान व्यक्ति, एक ख्याति प्राप्त जन्मजात नेता तथा एक असाधारण मोहक व्यक्तित्व वाले थे। वह आचार-विचार, लेखन में, बोलने तथा समस्त जीवन में एक सरल व्यक्ति थे। वह कृत्रिमता में विश्वास नहीं करते थे और न ही कृत्रिमता सहन करते थे इसीलिये वह मानस हृदय में समा गये थे। प्यार और सद्भावना के कारण वह जनता के साथ इतना घुलमिल गये थे कि उन्हें पृथक करना असम्भव था।

नेता, विद्वान, लेखक, वक्ता तथा समाज सुधारक के रूप में उनकी महानता तथा उनकी दुर्लभ और उच्च सफलताओं का यही रहस्य था।

अपने दिल और दिमाग की महानता के कारण उन्होंने अपनी रचनाओं और भाषणों में सुन्दर शिल्प, शैली और विषय वस्तु का निर्माण किया जिनसे वह प्राचीन तमिल साहित्य और संस्कृति में अहिंसा तथा नैसर्गिक आकर्षण को नये रूप में हमारे सामने लाये। उनके आकस्मिक निधन से न केवल तमिलनाडू और देश को अपितु सम्पूर्ण मानवता को गहरा आघात पहुंचा है। उनके शोक सन्तप्त परिवार के सदस्यों के प्रति मैं अपनी तथा अपने दल मुस्लिम लीग की ओर से हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं श्री माणिक्य लाल वर्मा तथा श्री रामास्वामी के जो इस सभा के वरिष्ठ सदस्य रह चुके हैं, निधन पर भी गहरा शोक प्रकट करता हूं।

अंबाजागन (तिरुचेनगोड) : इस अवसर पर मुझे जो दुख हो रहा है उसे शब्दों में व्यक्त करना असम्भव सा हो रहा है। आज सम्पूर्ण तमिलनाडू शोक के गहरे समुद्र में डूबा है। न केवल तमिलनाडू ही अपितु तमिल भाषा-भाषी लोग संसार के चाहे जिस कोने में हैं, शोक संतप्त हैं।

अन्ना न केवल तमिल के अपितु सारे देश के सम्मानित राष्ट्रीय नेता थे। जिन लोगों को उनके साथ कार्य करने का अवसर मिला है उनके लिये यह एक महान क्षति है जिसकी पूर्ति संभव नहीं है। वह न केवल मानवता के महान पुजारी अपितु एक समाज सुधारक, दृढ़ युक्ति संकल्प विवेकी, प्रकृति प्रतिभा प्रदत्त लेखक, अद्वितीय वक्ता, महान तथा दूरदर्शी राजनीतिज्ञ और इन सबसे बढ़कर वह उन सभी लोगों के प्यारे भाई थे जो उनके सम्पर्क में आते थे।

उनमें तमिल साहित्य तथा द्रविण संस्कृति का अभिमान कूटकूट कर भरा था और वह उसके प्रतीक थे किन्तु वह दूसरों को घृणा की दृष्टि से कभी नहीं देखते थे। बीस वर्ष पूर्व उन्होंने एक दल की स्थापना की जो उनकी अदम्म सहनशीलता और अथक प्रयत्नों के परिणाम-स्वरूप आज वह तमिलनाडू में सर्वोच्च दल है।

वह अपने सम्पूर्ण राजनीतिक जीवन में कर्तव्य, गौरव तथा अनुशासन के वास्तविक गुणों की दीक्षा देते रहे तथा उनका पालन करते रहे। यद्यपि वह आज संसार में नहीं हैं किन्तु वह अपनी महान परम्पराओं को आदर्श के रूप में हमारे लिये छोड़ गये जो हमारा पथ प्रदर्शन करते रहेंगे। मैं अपनी द्र० मु० क० पार्टी की ओर से तथा अन्ना के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों की ओर से सभा के नेताओं द्वारा उनके प्रति व्यक्त की गई सहानुभूति उल्लेखों के लिये उनका आभार प्रकट करता हूं।

दिवंगत नेता श्री रामास्वामी नायडू तथा श्री माणिक्य लाल वर्मा के प्रति भी मैं अपने दल की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं ।

अध्यक्ष महोदय : सदस्य गण अपना शोक व्यक्त करने के लिये थोड़ी देर मौन होकर खड़े हो जायें।

इसके पश्चात् सदस्यगण थोड़ी देर तक मौन खड़े रहे

The Members then stood in silence for a short while

इसके पश्चात् लोक सभा मंगलवार, 18 फरवरी, 1969 / 29 माघ, 1890 (शक) के ग्यारह बजे तक के लिये स्थगित हुई

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Tuesday, February 18 1969/Magha 29, 1890 (Saka)

Tej Kumar Press, Lucknow. 24-4-69—600